मिर्धा परिवार की जोधपुर स्थित मिर्धा फार्म की 150 गज जमीन की लड़ाई थाने पहुंची

पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा की तरफ से चचेरे भाई मनीष मिर्धा और अन्य के खिलाफ प्रतापनगर थाने में एफआईआर दर्ज

- ज्योति मिर्धा की तरफ से उनके अधिकृत प्रतिनिधि प्रेमप्रकाश ने रिपोर्ट दी है, रिपोर्ट में सूथला स्थित फार्म हाउस पर जबरन कब्जे के प्रयास और तोड़फोड़ के आरोप लगाए गए हैं
- दूसरे पक्ष का दावा है कि यह विवाद केवल जमीन के टुकड़े का नहीं, बल्कि वहां बने पूर्वजों के समाधि स्थल को लेकर है, इसे वो बचाने का दावा कर रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। नागौर की राजनीति के सबसे रसूखदार मिर्धा परिवार की जोधपुर स्थित मिर्धा फार्म की 150 गज की जमीन की लड़ाई थाने पहुंच गई है। पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा की तरफ से चचेरे भाई मनीष मिर्धा और अन्य के खिलाफ प्रतापनगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ज्योति मिर्धा की तरफ से उनके अधिकृत प्रतिनिधि प्रेमप्रकाश ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में सूथला स्थित फार्म हाउस पर जबरन कब्जे के प्रयास और तोड़फोड़ का आरोप लगाए गए हैं। वहीं दूसरे पक्ष का दावा है कि यह विवाद केवल जमीन के टुकड़े का नहीं, बल्कि वहां बने पूर्वजों के समाधि स्थल को लेकर है। इसे वो बचाने का दावा कर रहे हैं। ज्योति मिर्धा का पक्ष इसे अतिक्रमण और अवैध कब्जा बता रहा है। विवाद को देखते हुए पुलिस ने समाधि स्थल पर पुलिसकर्मी को तैनात किया है।

एफआईआर के मुताबिक मामले की शुरुआत 13 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे हुई। जब मनीष मिर्धा अपने 10-12 साथियों के साथ जबरन फार्म हाउस में घुस आए। आरोप है कि उन्होंने वहां मौजूद केयरटेकर सलीम को डरा-धमकाकर तालों की चाबियां छीन लीं। इसके अगले दिन यानी 14 जनवरी को आरोपी पक्ष ने दोबारा ताले तोड़े और वहां बने समाधि स्थल के साथ छेड़छाड़ व तोड़फ़ोड़ शुरू कर दी। परिवादी प्रेमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि मनीष और उनके साथी वीडियो में स्पष्ट रूप से तोड़फोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। प्रतापनगर पुलिस ने परिवादी प्रेमप्रकाश की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता के तहत मनीष मिर्धा के खिलाफ संपत्ति में अनधिकृत प्रवेश करने, चोट पहुंचाने की तैयारी के साथ जबरन घर में घुसने और गैर-कानूनी जमावड़ा कर हमला करने की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने मौके के वीडियो फुटेज भी साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित किए हैं। मामले की जांच थानाधिकारी भवानी सिंह कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार इस पूरे विवाद का केंद्र फार्म हाउस के अंदर बना 150 वर्ग गज का वह समाधि स्थल है, जो परिवार की भावनाओं से जुड़ा है। मनीष मिर्धा पक्ष का दावा है कि डॉ. ज्योति मिर्धा इस बेशकीमती जमीन को बेचना चाहती है, लेकिन बीच में आ रहा पैतृक समाधि स्थल सौदे में बाधा बन रहा है। मनीष का आरोप है कि ज्योति मिर्धा इस समाधि स्थल को हटाना चाहती हैं, जबकि वे अपने पूर्वजों की निशानी को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां पर सबसे पहले 1982 में नाथूराम मिर्धा की मां की समाधि बनाई गई थी। 1987 में मनीष के बड़े भाई रवि की समाधि बनी। नाथूराम मिर्धा के निधन के बाद 1996 में उनकी भी यही समाधि बनी। अब मनीष अपने पिता भानु प्रकाश मिर्धा की समाधि स्थल यहीं बना रहे हैं, जिसका विरोध किया जा रहा है। शिकायत पक्ष का कहना है कि मनीष ने गुंडा तत्वों के साथ मिलकर मालिकाना हक वाली जमीन हड़पने की नीयत से यह हमला किया है।

कोटा में चाइनीज मांझे से मासूम की गर्दन कटी, मौत

- चाइनीज मांझे से मासूम की गर्दन, श्वास नली व रक्तवाहिनी धमनियां तक कट गई थी

कोटा, (निसं)। मकर संक्रांति के आते ही प्रशासन ने चाईनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाने के लिये अभियान शुरू किया, काफी चाईनीज मांझों को जब्त कर जलाया भी गया, लेकिन तमाम प्रयास एक मासूम की जिंदगी पर विफल हो गये। चाइनीज मांझे की डोर का उपयोग भले ही पतंगबाजी के दौरान पेंच काटने के लिये होता हो लेकिन इसी चाइनीज मांझे की डोर ने एक मां की गोद से उसका लाल छीन लिया। शहर में चाईनीज मांझे की चपेट में आने से एक मासूम बालक की मौत का मामला सामने आया है। चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बालक को बुधवार को गंभीर घायल अवस्था में उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां पर उसका ऑपरेशन भी हुआ, इसके बाद गुरुवार को बालक ने आईसीयू में दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार सात वर्षीय मासूम धीर अपने पिता हेमंत सुवालका व मां बीना के साथ बाइक पर सवार होकर कुन्हाड़ी से नयापुरा की तरफ आ रहा था। कुन्हाड़ी के महाराणा प्रताप फ्लाईओवर पर कट कर जा रही पतंग का मांझा मासूम की गर्दन में फंस गया, जिससे उसकी गर्दन के साथ श्वास नली व रक्तवाहिनी धमनियां तक कट गईं और काफी ब्लीडिंग हुई, उसकी गर्दन तीन इंच तक कट गई थी। मेडिकल कॉलेज कोटा के सर्जरी विभाग अध्यक्ष डॉ. नीरज देवेंद्र ने बताया कि 7 वर्ष के बच्चे धीर को परिजन बुधवार को घायलावस्था में एमबीएस अस्पताल लेकर आए थे, उसके गर्दन पर गहरा घाव और कट था। इमरजेंसी में ही ईएनटी और सर्जरी विभाग की टीम ने बच्चे के खून का बहना रोका और इसके बाद ऑपरेशन किया और करीब 2 घंटे तक उसका ऑपरेशन चला। इसके बाद आईसीयू में उसका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान ही बालक ने दम तोड़ दिया। ईएनटी के डॉ. कुलदीप राणा का कहना है कि जिस तरह से बच्चा अस्पताल में पहुंचा था, तब लग रहा था कि रक्त की धार गर्दन से निकल रही है।

मृतक बालक धीर के परिजनों ने आरोप लगाया है कि रात में स्टाफ ने ठीक से केयर नहीं की, इसी के चलते उसकी मौत हुई है। परिजनों ने स्टाफ व एक रेजिडेंट डॉक्टर की शिकायत अस्पताल अधीक्षक को दी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. धर्मराज मीणा ने बताया कि परिजनों ने शिकायत दी कि आईसीयू में भर्ती बालक की तबियत बिगडने पर परिजन लगातार रेजिडेंट डॉक्टर एवं स्टाफ के पास जा रहे थे, लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की, अधीक्षक ने कहा कि पूरे मामले की जांच के लिये कमेटी गठित की गई। डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ को वार्ड से हटा दिया है।

डूंगरपुर में पतंग उड़ाते समय बच्चे को करंट लगा, उपचार जारी

- चाइनीज मांझे के बिजली के तार के टच करते ही झटका लग गया था

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में मकर संक्रांति के अवसर पर चाइनीज मांझे का उपयोग एक बच्चे के लिए खतरनाक साबित हुआ। जिले के माथुगामडा खास गांव में पतंग उड़ाते समय बिजली के तारों के संपर्क में आने से एक बच्चे को जोरदार करंट लगा। घायल बच्चे को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना माथुगामडा खास गांव की है। यहां रहने वाले शंकर कटरा के बेटे शौर्य मकर संक्रांति के दिन अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। बताया जा रहा है कि वह पतंग उड़ाने के लिए प्रतिबंधित चाइनीज डोर का इस्तेमाल कर रहा था।

पतंग उड़ाते समय अचानक यह डोर घर के पास से गुजर रही बिजली की लाइन में फंस गई। चाइनीज मांझे में अक्सर मैटेलिक कोटिंग धातु का बुरादा होती है, जिसके कारण तार के संपर्क में आते ही डोर में करंट दौड़ गया। डोर पकड़े हुए शौर्य को बिजली का जोरदार झटका लगा और करंट उसके शरीर में फैल गया। हादसे के बाद छत पर अफरा-तफरी मच गई। बच्चे की हालत देखकर परिजन तुरंत छत पर पहुंचे और आनन-फानन में घायल शौर्य को डूंगरपुर जिला अस्पताल ले गए,जहां उसे भर्ती कर लिया गया है।

जैन मंदिर में चोरी

बूंदी, (निसं)। जिले में हो रही लगातार चोरियों से आमजन में तो आक्रोश है ही, पर जैन मंदिर में लगातार तीसरी बार चोरी से जैन समाज के लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

नैनवा कस्बे स्थित नेमीनाथ जैन मंदिर से चोर चोरी कर चांदी का छत्र और अन्य सामान ले उड़े। चोरी की घटना का पता तब लगा जब सुबह मंदिर में दर्शन करने के लिए समाज के लोग पहुंचे। सूचना मिलने पर थाना अधिकारी सहदेव सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। सीसीटीवी फुटेज में चोरों की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं। सहदेव ने बताया कि जल्द ही चोरी की वारदात का खुलासा कर चोरों को पकड़ लिया जाएगा। जैन में हो रही लगातार चारियों से समाज के लोगों में आक्रोश है। समाज के लोगों ने पुलिस से मांग की है कि जल्द से जल्द मंदिरो में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा कर चोरो को गिरफ्तार किया जाए। रात के समय पुलिस गश्त बढ़े।

फर्जी बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने वाला आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

- आरोपी ने डूंगरपुर के एक शिक्षक से लोन की राशि कम करने के नाम पर 3.47 लाख रुपए ठगे थे

डूंगरपुर, (निसं)। सायबर थाना पुलिस ने ऑपरेशन सायबर हंट अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक सायबर ठग को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने डूंगरपुर के एक शिक्षक से लोन की राशि कम करने के नाम पर करीब 3 लाख 47 हजार रुपए ठगे थे।

सायबर थाने के सीआई गिरधारसिंह ने बताया कि नेजपुर निवासी शिक्षक दिनेश चंद्र यादव ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित को व्यक्तिगत ऋण की आवश्यकता थी। गत 9 अक्टूबर को दिनेश चंद्र यादव के फोन पर प्रियांशु शर्मा नामक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को एक नामी निजी बैंक का अधिकारी बताया और लोन दिलाने का प्रस्ताव दिया। पीड़ित दिनेश ने पर्सनल लोन के लिए सहमति दी। आरोपी के कहने पर पीड़ित ने अपने आवश्यक दस्तावेज प्रियांशु के वॉट्सऐप नंबर पर भेज दिए। आरोपी ने पीडित का 21 लाख रुपए की जगह 23 लाख 54 हजार 23 रुपए का लोन पास करवा दिया, जबकि पीड़ित को केवल 21 लाख रुपए की आवश्यकता थी। जब शिक्षक दिनेश ने प्रियांशु से संपर्क कर लोन की राशि कम करवाने की बात कही, तो आरोपी ने बताया कि ज्यादा पास हुए लोन की राशि कम करवाने के लिए उन्हें कुछ पैसे वापस जमा करने होंगे। इस झांसे में आकर पीड़ित ने आरोपी द्वारा बताए गए बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 47 हजार 927 रुपए जमा कर दिए। पैसे मिलने के बाद आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया, जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।

पीड़ित की रिपोर्ट पर सायबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी दिनेश चंद्र शर्मा उर्फ प्रियांशु शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है और इन्होंने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया गया। आरोपी ने महिला के फोटोग्राााफ्स और वीडियो से उसे ब्लैकमेल कर रूपए और गहने हड़प लिए। पीड़िता ने इस बारे में बोरानाडा थाने में रिपोर्ट दी है। पीड़िता दलित वर्ग की बताई जाती है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज किया है। अग्रिम जांच की जा रही है।

78वें भारतीय थल सेना दिवस पर बूंदी में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संकल्प

''हर कदम देश के नाम'' दौड़ से वीर जवानों को याद किया

बूंदी, (निसं)। 78वें भारतीय थल सेना दिवस के अवसर पर गुरुवार को बूंदी शहर देशभक्ति की भावना से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर युवा मैराथन धावक गोविंद प्रजापत के नेतृत्व में 'हर कदम देश के नाम' शीर्षक से 15 किलोमीटर की विशेष देशभक्ति दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ का उद्देश्य भारतीय सेना के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण को नमन करना तथा युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

- ब्रिगेडियर भूपेश सिंह हाड़ा ने किया फ्लैग ऑफ, 50 से अधिक युवाओं ने भाग लिया

बूंदी में युवा मैराथन धावक गोविंद प्रजापत के नेतृत्व में 'हर कदम देश के नाम' शीर्षक से 15 किलोमीटर की विशेष देशभक्ति दौड़ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ खेल संकुल, बूंदी से हुआ, जहां ब्रिगेडियर भूपेश सिंह हाड़ा (शौर्य चक्र, विशिष्ट सेवा पदक) ने तिरंगा झंडा दिखाकर दौड़ को फ्लैग ऑफ किया। इस दौरान युवाओं ने भारत माता की जय, जय जवान जय हिंद जैसे गगनभेदी नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। ब्रिगेडियर हाड़ा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसका युवा वर्ग है। जब युवा शारीरिक रूप से सक्षम, मानसिक रूप से मजबूत और अनुशासित होते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। भारतीय सेना केवल रोजगार नहीं देती, बल्कि युवाओं को एक कुशल, प्रशिक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनाकर राष्ट्रसेवा का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने युवाओं से सेना से जुड़ने का आव्हान भी किया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने यह संदेश भी दिया गया कि भारतीय सेना के जवान सर्दी, गर्मी, वर्षा और हर कठिन परिस्थिति में सीमाओं पर डटकर देश की रक्षा करते हैं। सेना दिवस के माध्यम से उनके इसी त्याग और बलिदान को नमन करते हुए यह दौड़ आयोजित की गई। इस प्रेरणादायक आयोजन में खेलकूद विकास समिति के अध्यक्ष शक्ति तोषनीवाल, समिति सचिव दीपक गुर्जर एवं हिमांशु हाड़ा ने भी दौड़ में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में शहर के 50 से अधिक युवाओं ने अपनी क्षमतानुसार भाग लिया-किसी ने 1 किलोमीटर, किसी ने 2 किलोमीटर तो कई युवाओं ने पूरी 15 किलोमीटर की दौड़ पूर्ण कर सैनिकों के सम्मान में अपना योगदान दिया। दौड़ में फिजिकल कोच घनश्याम गुर्जर, अध्यापक पंकज पारिक एवं कमांडो विजय हाड़ा, विजय सोलंकी सहित अनेक युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

आयोजन से जुड़े गोविंद प्रजापत ने कहा कि यह दौड़ हमारे वीर जवानों के सम्मान में एक छोटा-सा प्रयास है। देश की रक्षा करने वाले असली नायक हमारी सेना के जवान हैं, जो दुर्गम क्षेत्रों और कठिन परिस्थितियों में रहकर हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। आयोजन में खेलकूद विकास समिति अध्यक्ष तोषनीवाल ने संदेश दिया कि आज का युवा देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को आत्मसात कर भारतीय सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है।

पेट्रोल पंप लूट की योजना बनाते सात बदमाश गिरफ्तार

गैंग के मुखिया गोपाल गुर्जर और उसके छह साथियों को पकड़ा

- तलाशी लेने पर बदमाशों के पास से 2 लोडेड पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद हुए

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। करेड़ा पुलिस ने डकैती की योजना बनाते हुए कुख्यात गैंग के सरगना सहित सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये बदमाश एक पेट्रोल पंप को लूटने की फिराक में थे।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर करेड़ा थाना पुलिस और टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गैंग के मुखिया गोपाल गुर्जर और उसके छह साथियों को दबोच लिया है। घटना 13 जनवरी की है। प्रभारी हेड कांस्टेबल कालूराम की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी की। इस दौरान एक काले रंग की स्कॉर्पियो को रोका गया। तलाशी लेने पर बदमाशों के पास से 2 लोडेड पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी आरोपी पेट्रोल पंप पर बड़ी लूट को अंजाम देने जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने इनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग का लीडर गोपाल गुर्जर और हिस्ट्रीशीटर प्रभु सिंह व नारूलाल बंजारा शामिल हैं। प्रभु सिंह चित्तौड़गढ़ में लूट के मामले में पहले से वांछित है। पुलिस ने स्कॉर्पियो कार भी जब्त कर ली है और सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और डकैती की योजना बनाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने शहर को एक बड़ी वारदात से बचा लिया है।

पांच टीचरों के तबादले से नाराज छात्र धरने पर बैठे

- अलवर जिले के बहादुरपुर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का मामला

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बहादुरपुर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने गुरुवार को शिक्षकों के ट्रांसफर के विरोध में बहादुरपुर सड़क को जाम कर दिया। छात्रों ने स्कूल के गेट पर ताला लगाकर धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार 10 जनवरी को एक साथ 5 टीचरों के ट्रांसफर से स्कूल में अचानक शिक्षकों की कमी हो गई और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने लगी। इसी के चलते छात्रों ने आज सड़क पर जाम लगा दिया।

छात्रों का आरोप है कि जिन टीचर्स का ट्रांसफर हुआ है, वो अच्छा पढ़ाते थे, छात्रों के प्रति भी उनका व्यवहार अच्छा था। ऐसे में उन्हें वापस इसी स्कूल में लगाया जाए। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो दो दिन बाद तिजारा हाइवे जाम किया जाएगा और मिनी सचिवालय पर धरना दिया जाएगा। छात्र सुबह करीब साढ़े नौ बजे धरने पर बैठ गए। सूचना पर मामले की समझाइश करने तहसीलदार बलवंत सिंह और सदर थाना एएसआई अरुण पहुंचे दो दिन के आश्वासन पर धरना समाप्त कराया गया।

छात्र राजकुमार ने बताया कि 10 जनवरी को इतिहास विषय के शिक्षक मोहर सिंह मीणा का झालावाड़, भूगोल के शिक्षक रामफल यादव का बारां, अंग्रेजी के शिक्षक सत्येंद्र कुमार का झालावाड़, हिंदी की शिक्षिका सुमन गुप्ता और हिंदी साहित्य की शिक्षिका तनु गुप्ता का अलवर जिले की अन्य स्कूलों में ट्रांसफर कर दिया गया है। छात्रों ने बताया कि 12वीं कक्षा के छात्रों के प्रैक्टिकल भी शुरू हो रहे हैं और पांच विषयों के शिक्षकों के एक साथ तबादले से पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि किसी शिकायत के आधार पर अच्छे शिक्षकों को एक साथ हटाया गया है। तहसीलदार और सदर थाना पुलिस ने छात्रों से ज्ञापन लेकर उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्र धरने से उठ गए।

कोटा में अंतर्राज्यीय नकबजनी गिरोह का पर्दाफाश, छह जने गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपियों में चोरी का माल खरीदने वाले तीन आरोपी भी हैं, 133 ग्राम सोना, 781 ग्राम चांदी सहित 29 लाख नकद रूपये बरामद
- पुलिस ने इस गिरोह से जुड़ी चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफ सीएल) टाउनशिप में दिसंबर 2025 में हुई करोड़ों रुपए की चोरी का भी खुलासा किया

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण पुलिस ने एक बड़े अंतर्राज्यीय नकबजनी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है, पुलिस टीम की कार्रवाई में गिरफ्तार किये गये लोगों में तीन मुख्य नकबजन (चोर) गिरोह के आरोपी हैं एवं जबकि तीन सोने-चांदी के जेवरात खरीदने वाले व्यापारी शमिल हैं। पुलिस ने इस गिरोह से जुड़ी चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफ सीएल) टाउनशिप में दिसंबर 2025 में हुई करोड़ों रुपए की चोरी का भी खुलासा किया है।

सीमलिया थाना इलाके के गढेपान कस्बे में स्थित सीएफसीएल परिसर की टाउनशीप में 13 एवं 14 दिसम्बर 2025 को हुए नकबजनी के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए अन्तर्राज्यीय नकबजन गिरोह के मुख्य आरोपी सहित उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया, साथ ही चोरी का माल खरीदने के मामले में तीन सोनी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने कार्यवाही के दौरान वारदात में प्रयुक्त कार एवं 133 ग्राम सोना, 781 ग्राम चांदी सहित नकद राशि 29 लाख रूपये बरामद की है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 14 व 15 दिसम्बर 2025 को दो फरियादीयों ने सीमलिया थाने मे अलग-अलग रिपोर्ट दी। एक फरियादी नें रिपोर्ट में कहा कि सीएफसीएल गढेपान में मैनेजर के पद पर है और टाउनशीप कॉलोनी में रहता हुं। रिपोर्ट में कहा कि 13 दिसम्बर को परिवार सहित सवाईमाधोपुर गया था, उसके पड़ोसी ने मकान में ताले टूटने की सूचना दी। मकान में चोरी होने की सूचना पर पहुंचा तो सारा सामान अस्त-व्यस्त था, अज्ञात बदमाश अलमारी में रखे नकद, सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि दूसरे फरियादी ने 15 दिसम्बर को सिमलिया थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने की बात कही। ग्रामीण एसपी ने कहा कि चोरी नकबजनी की वारदात को गंभीरता से लेते हुए

ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीना के निर्देशन में सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह एवं डीएसटी प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर एक कार को कई बार देखा लेकिन फुटेज क्लियर नहीं थे। इसके बाद खानपुर टोल प्लाजा के आसपास के टोल सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए। पुलिस टीम ने 600 किलोमीटर तक की दूरी में लगे करीब 1500 सीसीटीवी फुटैज खंगाले और सीसीटीवी के आधार पर आरोपी कार की पहचान हुई और मुख्य आरोपी सामने आए।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपियों की तलाश में कोटा ग्रामीण पुलिस ने टांडा, धार, राजगढ़, कुक्शी और इंदौर क्षेत्रों में छापेमारी की, टीम ने 15 दिनों तक फल-सब्जी वाहन चालक, मैकेनिक और ढाबा कर्मचारी बनकर सूचनाएं जुटाईं। इसी दौरान पुलिस टीम को इंदौर में मुख्य आरोपी करण भील स्कोडा कार के साथ दिखा, जो चोरी के लिए रेकी कर रहा था। पुलिस ने उसे डिटेन कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी करण ने संजय, मानसिंह और महेंद्र के साथ मिलकर चोरियां करने की बात कबूली।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि चोरी में इस्तेमाल कार बरामद की गई, पकड़े गये आरोपी करण से पूछताछ में सामने आया कि 136 ग्राम सोना भारत सिंह ने इंदौर में 14 लाख में बेचा, बाकी सोना जोबट (अलीराजपुर) के राहुल सोनी और गारबाड़ा (दाहोद) के हार्दिक सोनी को 34 लाख में बेचा, जिसमें से 8 लाख दिए गए और 26 लाख शेष हैं। पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए करण की निशानदेही पर भारत सिंह मंडलोई और अन सिंह मेहड़ा को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार, 134 ग्राम सोना (18 लाख रुपए मूल्य), 781 ग्राम चांदी के आइटम और 9 लाख रुपए नकद बरामद किए, इसके अलावा 20 लाख रुपए जेसीबी फर्म के अकाउंट से रिवर्ट करवाए जा रहे है।

पुलिस टीम ने टाण्डा निवासी मुख्य आरोपी करण, उसके दो साथी काकडकुआं निवासी भारत एवं उकाला निवासी अनसिंह को गिरफ्तार किया। साथ ही चुराये गये सोने के आभूषण खरीदने के मामले में जोबट निवासी राज सोनी, गरबाडा निवासी हार्दिक एवं इन्दौर निवासी संजय सोनी को गिरफ्तार किया है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

ठगी का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस ने ऑनलाइन सायबर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में उनियारा थानाधिकारी रतन लाल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा उनियारा क्षेत्र में बढ़ती सायबर ठगी की शिकायतों के बाद ठगों द्वारा मोबाइल में टेलीग्राम चैनल बनाकर अनजान लोगों को अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रुपयों का कई गुना मुनाफा करके वापस डालने का झांसा देकर सायबर ठगी करने वाले अपराधी राहुल पुत्र रामजीलाल मीणा निवासी कुण्डिया हाल शिव सज्जन कॉलोनी सवाई माधोपुर रोड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राहुल मीणा ठगी की राशी अपने दोस्तों व परिचितों के बैंक खातों में कमीशन के आधार पर डलवाता था। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल, एक बैंक पास बुक, चैक बुक, दो एटीएम कार्ड व मोटरसाइकिल जब्त की गई तथा आरोपी को फर्जी खाते व फर्जी मोबाइल सिम कार्ड उपलब्ध करवाने वाले शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपी द्वारा अब तक की जांच से करीब 7.40 लाख रुपये की सायबर ठगी करना सामने आया है।

नॉनवेज पार्टी मामले में प्रिंसिपल को चार्जशीट मिलेगी

- राजकीय प्राथमिक स्कूल तालाब की ढाणी हिंगोटिया के प्रिंसिपल को प्रथमदृष्टया दोषी पाया गया

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजकीय प्राथमिक स्कूल तालाब की ढाणी, हिंगोटिया में एक नॉनवेज पार्टी का वीडियो वायरल होने के मामले में नए तथ्य सामने आए हैं। जांच के दौरान स्कूल परिसर की चारदीवारी से सटी सैकड़ों खाली शराब की बोतलें मिली हैं। इस मामले में जांच रिपोर्ट में प्रिंसिपल को प्रथमदृष्टया दोषी पाया गया है। शिक्षा विभाग अब निलंबित प्रिंसिपल को चार्जशीट जारी करने की तैयारी कर रहा है। यह मामला सोमवार को सामने आया था।

आरोप है कि राप्रावि तालाब की ढाणी, हिंगोटिया में स्कूल समय के दौरान बच्चों को छुट्टी देकर कक्षाओं पर ताले लगा दिए गए थे। इसके बाद स्कूल परिसर में रसोइये द्वारा चूल्हे और गैस चूल्हे पर नॉनवेज भोजन पकाया जा रहा था। यह घटना विभागीय नियमों का उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया था। जांच टीम मंगलवार को स्कूल पहुंची और मौके का निरीक्षण किया। टीम ने रसोइये इंदरराज सहित ग्रामीणों के बयान दर्ज किए और साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान साक्ष्य मिटाने के प्रयास भी सामने आए, जिसमें नॉनवेज की जगह आलू-गोभी की सब्जी रख दी गई और चूल्हा हटाकर सफाई कर दी गई थी। जांच के दौरान स्कूल परिसर की चारदीवारी से सटी सैकड़ों शराब की खाली बोतलें मिलीं। कमेटी ने सभी तथ्यों के आधार पर अपनी जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंप दी है।

सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में प्रधानाध्यापक को प्रथम दृष्टया दोषी माना गया है। शिक्षा विभाग ने प्रिंसिपल को पहले ही निलंबित कर दिया था और अब एक-दो दिन में चार्जशीट जारी करने की तैयारी है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक देवीलाल मीणा ने बताया कि जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। प्रधानाध्यापक को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और अब उन्हें जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है।